हार कर सांवरे जग से | By Ashvani Rastogi

हार कर सांवरे जग से मैं खाटू धाम आया हूँ
बंदिशें इस ज़माने की मैं सारी तोड़ आया हूँ

ये झूठा है जहाँ सारा यहाँ मतलब के सब रिश्ते
इसी मतलब की दुनिया से मैं रिश्ता तोड़ आया हूँ

तू हारे का सहारा है जहाँ सारा ये कहता है
जो जग से हार कर आते तू उनके संग रहता है

अमर तेरी कहानी है ऐ बाबा शीश के दानी
तेरी गाथा को सुनकर ही तेरे दरबार आया हूँ

जल्दी से आजा सांवरिया ये दिल घबरा रहा मेरा
मुझे बस इस ज़माने में सहारा एक है तेरा

भटक कर अश्वनी दर दर तेरी चौखट पर आया है
मुझे तू ही सम्भालेगा यही विश्वास लाया हूँ

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0-%e0%a4%95%e0%a4%b0-%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%82%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%9c%e0%a4%97-%e0%a4%b8%e0%a5%87-by-ashvani-rastogi/